यवतमाल के बुढीचा चिवड़ा ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

दाते कॉलेज मैदान पर विशाल आयोजन, शेफ विष्णु मनोहर ने तैयार किया साढ़े तीन टन चिवड़ा

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

यवतमाल, 28 अक्टूबर- वर्हाड की खाद्य संस्कृति की अनूठी पहचान और यवतमालकरों के दिलों में खास जगह रखने वाले प्रसिद्ध 'बुढीचा चिवड़ा' ने अब विश्व पटल पर अपनी पहचान दर्ज कराई है. मंगलवार को दाते कॉलेज परिसर में मशहूर शेफ विष्णु मनोहर ने 3,500 किलो (साढ़े तीन क्विंटल नहीं, बल्कि साढ़े तीन टन) चिवड़ा तैयार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया.

एस.एल. फाउंडेशन की पहल और शहर की विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों के सहयोग से इस पारंपरिक व्यंजन को 'वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक ऑफ इंडिया' के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास किया गया. तैयार चिवड़े का नागरिकों, विभिन्न स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं को निःशुल्क वितरण किया गया.

पारंपरिक खाद्य पहचान

यवतमाल के पारंपरिक स्वाद



वर्ष 1936 में अंजनाबाई रामचंद्र भुजाड़े ने की थी शुरूआत

को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से शेफ विष्णु मनोहर, प्राजक्ता पै और एस.एल. फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने करीब छह महीने पहले इस विश्व रिकॉर्ड का संकल्प लिया था. इसके लिए दाते कॉलेज के मैदान में सोमवार रात से ही चिवड़ा बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई थी.

इस विशाल आयोजन के लिए शनिवार को ही कोराड़ी से एक विशालकाय कढ़ाई यवतमाल लाई गई थी. इसमें चिवड़ा तैयार करने के लिए करीब 100 से अधिक कर्मचारी दिन-रात जुटे रहे. एस.एल. फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्विन सव्वालाखे और उनकी पूरी टीम के अथक प्रयासों से यवतमाल की इस पारंपरिक खाद्य पहचान को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया.

विष्णु मनोहर का 35वां विश्व रिकॉर्ड

शेफ विष्णु मनोहर अपने अनूठे पाक प्रयोगों और बड़े पैमाने पर व्यंजन तैयार करने के लिए प्रसिद्ध हैं. उन्होंने जलगांव के प्रसिद्ध 'वांग्याच्या भरित' यानी बैंगन के भरते से विश्व रिकॉर्ड बनाने की श्रृंखला शुरू की थी. अब तक उनके नाम 33 रिकॉर्ड दर्ज होने की जानकारी दी गई है. अमेरिका के पैनपैक में 34वां रिकॉर्ड बनाने के बाद यवतमाल का 'बुढीचा चिवड़ा' उनका 35वां विश्व रिकॉर्ड बना.

90 साल पुरानी है 'बुढीचा चिवड़ा' की परंपरा

यवतमाल का नाम आते ही यहां के लोगों के मन में सबसे पहले 'बुढीचा चिवड़ा' का ख्याल आता है. आज इसकी एक पुड़िया करीब 20 रुपये में मिलती है, जबकि लगभग 90 साल पहले इसकी कीमत केवल एक आना यानी छह पैसे थी.

बताया जाता है कि अंजनाबाई रामचंद्र भुजाड़े ने वर्ष 1936 में यवतमाल के आजाद मैदान में चिवड़ा बेचने की शुरूआत की थी. धीरे-धीरे इसका स्वाद इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग इसे 'बुढ़ीचा चिवड़ा' कहने लगे. इसके बाद श्रावण रामचंद्र भुजाड़े ने इस व्यवसाय को आगे बढ़ाया. तीसरी पीढ़ी में अशोक श्रावण भुजाड़े ने इसे घर-घर तक पहुंचाया. वर्तमान में चौथी पीढ़ी के अजय अशोक भुजाड़े इस पारंपरिक व्यवसाय को संभाल रहे हैं.

शहर में सजेगा शगुन एग्जीबिशन 2026

इस दिवाली शॉपिंग का शाही अंदाज!

तीन दिन खरीदारी के साथ फ्री दिवाली गिफ्ट पाने का मौका



प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. दिवाली का त्योहार हो और खरीदारी में फैशन, खूबसूरती तथा लाइफस्टाइल का नया अंदाज शामिल न हो, ऐसा कैसे हो सकता है! त्योहार की तैयारियों को खास बनाने और खरीदारी के अनुभव में नया रंग भरने के लिए अमरावती में शगुन एग्जीबिशन 2026 का आयोजन किया जा रहा है. 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक राजापेठ स्थित द ओक रेस्टोरेंट में आयोजित होने वाली यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी शहरवासियों को फैशन, ज्वेलरी, ब्यूटी और लाइफस्टाइल उत्पादों की एक ही छत के नीचे खरीदारी का अवसर प्रदान करेगी. खास बात यह है कि एग्जीबिशन में आने वाले विजिटर्स के लिए फ्री दिवाली गिफ्ट भी रखा गया है. यानी खरीदारी, नए ट्रेंड्स की खोज और त्योहार की खुशियों का संगम एक ही जगह देखने को मिलेगा.

फैशन से ज्वेलरी तक, पसंद का पूरा संसार

शगुन एग्जीबिशन 2026 में फैशन, ज्वेलरी, ब्यूटी प्रोडक्ट्स और लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्न आकर्षक वस्तुओं के स्टॉल सजेंगे. अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों से आने वाले स्टॉल संचालक अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों के सामने प्रस्तुत करेंगे. इससे विजिटर्स को नए कलेक्शन देखने, अपनी पसंद के उत्पाद तलाशने और विभिन्न विकल्पों के बीच खरीदारी करने का अवसर मिलेगा.

दिवाली पर खुद के लिए कुछ खास खरीदना हो, परिवार के लिए उपहार चुनना हो या त्योहार के अवसर पर अपने लुक को नया अंदाज देना हो, यह प्रदर्शनी खरीदारी के कई विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी.

दिवाली की तैयारी अब होगी और भी खास

त्योहारों के मौसम में नए परिधान, आकर्षक ज्वेलरी, ब्यूटी उत्पाद और घर-परिवार के लिए उपयोगी लाइफस्टाइल वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है. ऐसे में शगुन एग्जीबिशन शहरवासियों के लिए खरीदारी का एक विशेष अवसर लेकर आ रही है.

यहां विजिटर्स को विभिन्न स्टॉल संचालकों से सीधे संवाद करने, उत्पादों को करीब से देखने और अपनी जरूरत व पसंद के अनुसार विकल्प तलाशने का मौका मिलेगा. अलग-अलग श्रेणियों के उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से खरीदारी के लिए अलग-अलग जगहों पर जाने की जरूरत भी कम हो सकती है.

खरीदारी के साथ फ्री दिवाली गिफ्ट का आकर्षण

शगुन एग्जीबिशन 2026 का एक खास आकर्षण यहां आने वाले विजिटर्स के लिए रखा गया फ्री दिवाली गिफ्ट है. आयोजकों की ओर से लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है कि वे एग्जीबिशन में आएं, अपनी पसंद की खरीदारी करें और इस विशेष उपहार का लाभ उठाएं. त्योहार के उत्साह के बीच यह पहल विजिटर्स के अनुभव को और यादगार बनाने का प्रयास है. गिफ्ट से संबंधित विस्तृत नियम और शर्तों की जानकारी आयोजकों से प्राप्त की जा सकती है.

तीन दिन, खरीदारी और सेलिब्रेशन का खास मौका

शगुन एग्जीबिशन केवल खरीदारी तक सीमित नहीं, बल्कि त्योहार के माहौल में नए ट्रेंड्स को जानने और अलग-अलग उत्पादों को एक्सप्लोर करने का अवसर भी होगी. परिवार और दोस्तों के साथ यहां पहुंचकर लोग दिवाली की खरीदारी को एक खास अनुभव बना सकते हैं.अमरावतीवासियों के लिए यह तीन दिवसीय आयोजन फैशन, ज्वेलरी, ब्यूटी और लाइफस्टाइल की दुनिया से रूबरू होने का अवसर लेकर आ रहा है.तो फिर देर किस बात की, इस दिवाली खरीदारी को दीजिए एक नया अंदाज. शगुन एग्जीबिशन 2026 में आइए, नए कलेक्शन एक्सप्लोर कीजिए, अपनी पसंद के उत्पाद चुनिए और त्योहार की खुशियों को बनाइए और भी खास.

तारीख और स्थान नोट कर लीजिए

आयोजनः शगुन एग्जीबिशन 2026
तारीखः 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026
स्थानः द ओक रेस्टोरेंट, राजापेठ, अमरावती
खास आकर्षणः फैशन, ज्वेलरी, ब्यूटी और लाइफस्टाइल उत्पादों की खरीदारी के साथ फ्री दिवाली गिफ्ट.

घायलों के लिए देवदूत बने उपअभियंता निलेश चौधरी!

मड़की गांव के पास दो बाइक सवारों की आमने-सामने भिड़ंत



मोहसिन शेख/प्रतिदिन अखबार

चिखलदरा- परतवाड़ा मार्ग पर मड़की गांव के पास मंगलवार, 27 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे दो बाइक सवारों के बीच भीषण भिड़ंत हो गई. इस हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर पहुंचे चिखलदरा के बांधकाम विभाग के उपअभियंता निलेश चौधरी ने घायलों की मदद के लिए तत्परता दिखाई और मानवता की मिसाल पेश की.

हादसे के समय उपअभियंता निलेश चौधरी अपनी ड्यूटी पूरी कर लौट रहे थे. इसी दौरान सड़क हादसे की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी,मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते घायलों की सहायता की.उन्होंने घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग किया.ी चिखलदरा के थानेदार प्रवीण कुमार पाटिल भी घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस और निलेश चौधरी के सहयोग से दोनों घायलों को चिखलदरा की 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए अचलपुर उपजिला अस्पताल रेफर किया गया.

घायलों की मदद के लिए आगे आना और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करना मानवीय संवेदनशीलता का परिचायक है. चौधरी ने यह साबित किया कि एक अधिकारी की पहचान केवल उसके पद और कर्तव्यों से नहीं, बल्कि जरूरत के समय उसके द्वारा किए गए मानवीय कार्यों से भी होती है.

पद से बढ़कर इंसानियत, निलेश चौधरी ने पेश की मिसाल

आज के दौर में जब सड़क हादसों के दौरान कई बार लोग मदद करने से कतराते हैं, ऐसे में ड्यूटी से लौट रहे एक अधिकारी का घायलों की सहायता के लिए आगे आना सराहनीय है. निलेश चौधरी ने घायलों की मदद कर यह संदेश दिया कि इंसानियत आज भी जिंदा है और जरूरतमंद की मदद करना ही सबसे बड़ा मानवीय धर्म है.हादसे में घायल दोनों बाइक सवारों के स्वास्थ्य को लेकर आगे की जानकारी सामने आना बाकी है.

खेल के मैदान से नशामुक्ति का संदेश

ऑपरेशन कवच के तहत एंटी-ड्रग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का एसपी कदम ने किया शुभारंभ





प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती. युवाओं को नशे से दूर रखकर खेल, शिक्षा और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से अमरावती ग्रामीण पुलिस ने एक अनूठी पहल की है.

पुलिस विभाग की ओर से ऑपरेशन कवच और नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अमली पदार्थों के खिलाफ जनजागृति फैलाने के लिए एंटी-ड्रग वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई है. इस पहल के माध्यम से युवाओं को खेल के जरिए नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जा रहा है.

जानकारी के अनुसार वर्ष 2026 से 2029 के दौरान देशभर में मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को विशेष लक्ष्य दिए गए हैं. इसी व्यापक अभियान के तहत ग्रामीण पुलिस ने जिले के युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया. पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता दो स्थानों पर आयोजित की गई. इसमें ग्रामीण पुलिस मुख्यालय के मैदान के साथ ही परतवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के नेहरू मैदान को भी शामिल किया गया. प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार, 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जोग स्टेडियम में पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने स्वयं वॉलीबॉल खेलकर किया. इस अवसर पर स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक अशोक लांडे, रिजर्व पुलिस निरीक्षक दीपक लोणकर सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे. उद्घाटन के दौरान एसपी कदम ने उपस्थित युवा खिलाड़ियों से संवाद किया.

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और टीम भावना भी विकसित होती है. उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मादक पदार्थों से दूर रहें और खेल, शिक्षा तथा सकारात्मक गतिविधियों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं.

पहले दिन इन टीमों के बीच हुए मुकाबले

प्रतियोगिता के पहले दिन अमरावती के जोग स्टेडियम में मोर्शी और नांदगांव खंडेश्वर की टीमों के बीच वॉलीबॉल मुकाबला खेला गया. वहीं परतवाड़ा के नेहरू मैदान में रहिमापुर-चिंचोली और पथ्रोट की टीमों के बीच मैच आयोजित किया गया. दोनों स्थानों पर युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. खिलाड़ियों ने खेल के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया. प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 29 अक्टूबर को ग्रामीण पुलिस मुख्यालय के मैदान पर आयोजित किए जाएंगे. इन मुकाबलों के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. वहीं नशामुक्ति अभियान को भी आगे बढ़ाया जाएगा.

महिला से अश्लील गाली-गलौज

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती - राहुल नगर क्षेत्र में एक महिला के साथ कथित तौर पर अश्लील गाली-गलौज करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

कीर्तनकार समाज का चित्र बदल सकता है- डॉ. प्रशांत ठाकरे

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

गुरुकुंज मोझरी, 28 अक्टूबर - वेद का विचार, उपनिषद का विचार व वेदांत का विचार इंसान के जीवन को मिले और उससे इंसान का निर्माण हो, यह जो महाराज का विचार था; उस विचार को आगे बढ़ाने की दृष्टि यानी कीर्तन है. समाज का पट अथवा चित्र को बदलने की ताकद एक व्यक्ति में होती है, उसका नाम कीर्तनकार है. यह बात डॉ. प्रशांत ठाकरे ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का 58वां पुण्यतिथि महोत्सव में वारकरी कीर्तन सम्मेलन के उद्घाटनीय भाषण में कही. इस सम्मेलन में अध्यक्ष लक्ष्मणदास काले, उद्घाटक गुरु चंदेले नाना (सचिव, जोग वारकरी शिक्षा संस्था, आळंदी देवाची) जबकि प्रमुख



गुरुकुंज मोझरी में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का 58वां पुण्यतिथि महोत्सव

अतिथि के तौर पर संदीप महाराज गिहे, श्याम नारायण चौबे, शालीग्राम खेड़कर, संचालक मंडल की अध्यक्ष पुष्पा बोंडे, उपसर्वाधिकारी बाबाराव पाटिल, सहसचिव जनार्दन बोथे, प्रचार प्रमुख गोपाल कडू, कार्यकारिणी सदस्या पौर्णिमा सवाई, डॉ. सूर्यप्रकाश जयस्वाल, इंजी. रमेश ढवले, काठोले गुरुजी, निस्ताने आदि उपस्थित थे.

डॉ. ठाकरे ने आगे बताया कि, कीर्तनकार यह समाज को स्वच्छ करने वाला व्यक्ति है. कीर्तनकार ने कैसे खड़े रहना चाहिए, उसने कैसे बात करें, यह भी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने 'लहर की बरखा' में बताया हुआ है. ग्रामगीता यह अगर तत्वज्ञान के जीवन के सर्वकश विचारों पर बात करनेवाला ग्रंथ हो तो, राष्ट्रसंत का 'लहर की बरखा' यह 'ओवीबद्ध' अनुभव है. कीर्तनकार ने शेर के जैसे खड़े रहकर नहीं चलना बल्कि उसके कदम भी शेर के जैसे पड़ने चाहिए. सिर्फ 'त्याग करो, त्याग करो' ऐसा कहकर नहीं चलेगा. कीर्तनकार ने समाज को बोध देते समय समाज के लिए हम क्या कर रहे हैं, इसका चिंतन करना चाहिए. कीर्तन की मर्यादा नाथ महाराज, ज्ञानोबा ने वर्णन की हुई है. साथ ही, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने भी उसका वर्णन किया हुआ है. संपूर्ण राज्य से कीर्तनकार मंडली यहां पर पहुंची है और इन कीर्तनकार मंडली के प्रबोधन के माध्यम से राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का विचार दूर-दूर तक पहुंचना चाहिए, इसके लिए यह प्रयत्न है. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने हाथ में खंजिरी लेकर मरे हुए समाज को जागृत करते हुए कहना कि, 'अरे उठा उठा श्रीमंतांनो, अधिकाऱ्यांनो, पंडितांनो, सुशिक्षीतांनो, साधुजनांनो हाक आली क्रांतीची' यानी, 'अरे उठो उठो अमीरों, अधिकारियों, पंडितों, सुशिक्षितों व साधुजनों आवाज आयी क्रांति की' और क्रांति की आवाज को जनसामान्यों तक पहुंचाने वाला कोई माध्यम होगा तो वह कीर्तनकार है.

धारणी के शिक्षा विस्तार अधिकारी निलंबित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 28 अक्टूबर- धारणी पंचायत समिति के शिक्षा विस्तार अधिकारी राजकुमार निमकर को जिप के सीईओ सत्यम गांधी द्वारा 26 अक्टूबर को प्रशासकीय कामों में अनियमितता और जनसेवक के कर्तव्यों में कसूर किए जाने का ठपका रखते हुए निलंबन की कार्रवाई की है.



धारणी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित विविध विभागों की जायजा बैठक में निमकर अनुपस्थित थे. तदनुसार अनुपस्थित कर्मचारियों को सीईओ के आदेशानुसार कारण बताओ नोटिस भेजकर तत्काल स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे. निमकर का स्पष्टीकरण असंतोषजनक था. प्रशासकीय काम में अनियमितता और जनसेवक पद के कर्तव्य में कसूर करने की सकृतदर्शनी सिद्ध होने के कारण महाराष्ट्र जिला परिषद जिला सेवा (व्यवहार) नियम 1967 के नियम 3 का भंग होना दिखाई दिया, इसलिए सीईओ ने यह कार्रवाई की.

सीईओ का दनका

राधाकृष्ण मंदिर में 72 कन्याओं का पूजन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 28 अक्टूबर- प्रतिवर्षानुसार जगत जननी माताराणी की आराधना के साथ ही कन्या रुप में माता का पूजन माहेश्वरी पंचायत, राजस्थानी हितकारक महिला मंडल एवं माहेश्वरी महिला मंडल (पंचायत अंतर्गत) द्वारा भक्ति पूर्ण माहौल में किया गया.

17 अक्टूबर को माहेश्वरी भवन राधाकृष्ण मंदिर में 72 कन्याओं का पूजन विधिवत श्रद्धा के साथ किया गया. स्वादिष्ट भोजन प्रसाद के साथ ही कन्याओं को स्टील का लंच बॉक्स, नोटबुक, नेपकिन एवं फ्रूट्स भेंट स्वरूप दिये गये. सभी कन्याओं का मनमोहक श्रृंगार देखकर ऐसा लगा मानो साक्षात् नवदुर्गा मां अपने स्वरूप में अवतरित हो रही हैं. जम्मा गायक संगीता खंडेलवाल ने अपने मधुर भजन से माताजी का विधि पूर्वक आवाहन किया.

राजस्थानी हितकारक महिला मंडल की अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री,





नवरात्रि पर श्री माहेश्वरी समाज ने कराया कन्या भोज

सचिव समता केडिया, कोषाध्यक्ष सोनाली राठी, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष निशा जाजू, सचिव दीपिका मंत्री, कोषाध्यक्ष कीर्ति चांडक, प्रोजेक्ट डायरेक्टर ऊषा मंत्री, राजेश्वरी वर्मा, रेखा अग्रवाल, अर्चना देवडिया, कल्पना मालानी, शीतल करवा, शिल्पा नावंदर, रुपाली लढ्ढा, सारिका पंसारी, कीर्ति अग्रवाल, किरण मंत्री, दीपिका मंत्री मोनिका व्यास, ममता असोपा ने अथक परिश्रम किया. कार्यक्रम के नियोजन हेतु संतोष माधोगड़िया, प्रा. डॉ. सोनल चांडक, अलका गट्टानी, हेमलता नरेडी, रेखा भूतड़ा, सुनीता लढ्ढा, शीतल करवा, कोमल सोनी, रुचि खंडेलवाल, वैशाली जाजू, शोभा राठी, मानसी चांडक, अमृता वर्मा, बरखा अग्रवाल, शोभा बजाज ने सहयोग किया.

कार्यक्रम में राजस्थानी हितकारक मंडल के सचिव रामेश्वर गग्गड़, माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष सुरेश साबू, जगदीश कलंत्री, संजय राठी, राधेश्याम भूतड़ा, दामोदर बजाज, नितिन सावला, बिहारी बूब, विनोद डागा, चंदन मंत्री, अनिल नरेडी, पार्षद ललिता रतावा, अनिता साबू, सरला कलंत्री, अरुणा भूतड़ा, जिला सचिव वनिता डागा, तहसील अध्यक्ष रानी करवा, मंजू कलंत्री, रिया भूतड़ा , माया जाजू, प्रिया लढ्ढा, आरती दायमा, मोनिका व्यास, ममता असोपा, सुनीता वर्मा, श्रुति राठी, श्रध्दा राठी, श्रुति कलंत्री, सुनीता शशिकांत अग्रवाल, अपर्णा अग्रवाल, विजया पू. राठी, उषा मु. राठी, राधिका अटल, पूजा तापड़िया, खुशबु मुंधड़ा, काजल साबू, ज्योति भंडारी, खुशबू डोबा, शिवांगी शर्मा, नेहा राठी, कोमल खंडेलवाल, श्रुति पुरोहित, डॉ. ध्वनि वर्मा, वैष्णवी वर्मा, चंचल झंवर आदि सदस्या इस अवसर पर उपस्थित थीं.

पांच लाख के चेक बाउंस मामले में आरोपी बरी

निर्माण कार्य के भुगतान से जुड़ा था विवाद

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. पांच लाख रुपये के चेक अनादर मामले में अमरावती के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय क्रमांक 3 ने 12 अक्टूबर 2026 को आरोपी संदीप पुंडलिकराव कदम को दोषमुक्त कर दिया. यह मामला निर्माण कार्य के लेन-देन से संबंधित था.

फौजदारी प्रकरण क्रमांक 4888/22 में शिकायतकर्ता अक्षय किशोर यादव ने परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत के अनुसार, आरोपी की मां के घर के निर्माण कार्य के भुगतान के रूप में पांच लाख रुपये का चेक दिया गया था. चेक बैंक में जमा करने पर हस्ताक्षर मेल नहीं खाने के कारण अनादरित हो गया था.

निर्माण कार्य की दर को लेकर सामने आई विसंगति

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने निर्माण कार्य की दर को लेकर शिकायत में मौजूद विसंगतियों और आरोपी द्वारा शिकायतकर्ता, ठेकेदार तथा मजदूरों को किए गए बैंक हस्तांतरण के रिकॉर्ड न्यायालय के सामने रखे.



निर्माण कार्य की दर शिकायत में 9,050 रुपये प्रति वर्ग फुट बताई गई थी. हालांकि, जिरह के दौरान शिकायतकर्ता ने स्वीकार किया कि यह दर टंकण की गलती के कारण दर्ज हुई थी और वास्तविक दर 1,050 रुपये प्रति वर्ग फुट होनी चाहिए थी.

बैंक लेन-देन और साक्ष्यों पर अदालत का जोर

न्यायालय ने बैंक लेन-देन के रिकॉर्ड, शिकायतकर्ता के बयान में मौजूद विसंगतियों और चेक के पीछे कानूनी देनदारी साबित करने के लिए प्रस्तुत साक्ष्यों पर विचार किया.

फैसले में कहा गया कि केवल चेक अनादरित होने या कानूनी नोटिस का जवाब नहीं देने से आरोपी का अपराध साबित नहीं हो जाता. शिकायतकर्ता को यह भी साबित करना आवश्यक है कि चेक किसी कानूनी रूप से वसूली योग्य देनदारी के भुगतान के लिए जारी किया गया था.

संदीप कदम को दोषमुक्त किया

न्यायालय ने माना कि संदीप पुंडलिकराव कदम कानूनी देनदारी से संबंधित वैधानिक अनुमान को खारिज करने में सफल रहे. इसके बाद उन्हें परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दर्ज मामले में दोषमुक्त कर दिया गया.

इस प्रकरण में आरोपी की ओर से अधिवक्ता रवि गायकवाड़ ने पैरवी की.